

डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 16, 1 शमूएल 29-31

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 16, 1 सैमुअल 29-31 है। अध्याय 29 और 30 हैं उलझे हुए जाल से बचना, और अध्याय 31, शाऊल और उसके पुत्रों की मृत्यु।

अपने अगले पाठ में, हम 1 शमूएल 29, 30 और 31 को देखने जा रहे हैं। 29 और 30 एक साथ चलते हैं। वे वास्तव में एक एपिसोड हैं और फोकस डेविड पर होगा।

और फिर अध्याय 31 में, हम युद्ध के मैदान में शाऊल की मृत्यु के बारे में पढ़ने जा रहे हैं। मैंने 1 सैमुअल 29 और 30, एस्केपिंग अ टैंगल्ड वेब का शीर्षक दिया है। और फिर 1 शमूएल 31, शाऊल और उसके पुत्रों की मृत्यु।

आपको याद होगा कि इस बिंदु पर लेखक जो कर रहा है वह डेविड और उसके लोगों और शाऊल और उसकी सेना के बीच आगे-पीछे हो रहा है। अध्याय 27 में, फोकस डेविड पर है। वह देश छोड़कर भाग जाता है, पलिशतियों के बीच जाकर रहने का फैसला करता है, खुद को गत के राजा आकीश की एक वफादार प्रजा के रूप में पेश करता है, और इसमें इतना सफल होता है कि आकीश चाहता है कि डेविड और उसके लोग इसराइल के खिलाफ लड़ाई में उसके साथ शामिल हों।

और अध्याय 28, श्लोक 2 में, हम बस उसी पर अटके हुए हैं। फिर ध्यान शाऊल पर चला जाता है। शाऊल यहीवा से एक वचन के लिये व्याकुल है।

प्रभु उससे बात नहीं कर रहे हैं। और इसलिए, शाऊल, मोज़ेक कानून का उल्लंघन करते हुए, एंडोर में एक माध्यम के पास जाता है। वह सैमुअल की आत्मा को जगाती है और सैमुअल बस वही दोहराता है जो उसने शाऊल को तब बताया था जब वह जीवित था।

प्रभु ने तुम्हें राजा के रूप में अस्वीकार कर दिया है और अब वह दिन आ गया है कि तुम्हें सिंहासन से हटा दिया जाये। अध्याय 29 में, फोकस वापस डेविड पर स्थानांतरित होने जा रहा है। और हम कहानी को वहीं से शुरू करने जा रहे हैं जहां हमने इसे अध्याय 28, श्लोक 2 में छोड़ा था। वास्तव में अध्याय 29 की शुरुआत में एक कालानुक्रमिक फ्लैशबैक है।

हमने इस बारे में पहले बात की थी। अध्याय 28, पद 4 के अनुसार, जिस समय शाऊल एंडोर में माध्यम का दौरा किया, उस समय शूनेम में पलिशती सेना इकट्ठी थी। वे अगले ही दिन इस्राएलियों से युद्ध करने को तैयार हो गए।

अध्याय 31, पद 1 के अनुसार, अगले दिन, पलिशतियों और इस्राएलियों ने गिलबोआ पर्वत पर लड़ाई की। लेकिन अध्याय 29, पद 1 में, जहां हम यह पाठ शुरू कर रहे हैं, पलिशती सेना अभी

भी अपेक में है, जो लगभग 40 में स्थित थी शुनेम से मील दक्षिण पश्चिम में। तो, अध्याय 29 की घटनाएँ शाऊल की एंडोर यात्रा से पहले घटी होंगी। पलिशती सेना अभी तक वहाँ तक नहीं पहुँची है।

लेकिन पलिशती सेना से डेविड के निष्कासन की रिपोर्ट में देरी करके, जो कि अध्याय 29 में होने जा रहा है, जब तक कि शाऊल की एंडोर की यात्रा के विवरण के बाद, कथाकार ने कहानी के कथानक के तनाव को बढ़ा दिया। जैसे ही हम शमूएल को शाऊल की आसन्न मृत्यु की घोषणा करते हुए सुनते हैं, हमें आश्चर्य होता है कि क्या दाऊद और उसके लोग वहाँ होंगे और शायद उन्हें युद्ध में शाऊल का सामना करना पड़ेगा। क्या डेविड और जोनाथन वास्तव में युद्ध में आमने-सामने आ सकते थे? हम इनमें से कुछ चीज़ों के बारे में सोच रहे हैं।

इससे भी बदतर, क्या प्रभु के अभिषिक्त के विरुद्ध हाथ उठाने से बचने के इस सारे प्रयास के बाद क्या वह किसी तरह शाऊल की मृत्यु के लिए जिम्मेदार हो सकता है? तो, सामग्री का प्लेसमेंट नाटकीय प्रभाव के लिए है, मुझे लगता है, कुछ मायनों में, जहाँ हमें ये सभी प्रश्न मिले हैं। एक और महत्वपूर्ण बात जो अध्याय 29 में घटित होने वाली है, पलिशती अपेक में अपनी सेना एकत्र कर रहे हैं। पलिशती सैनिकों के वहाँ एकत्र होने का यह संदर्भ बहुत ही अशुभ है, क्योंकि 1 और 2 सैमुअल में पलिशती सैनिकों को अपेक में केवल 1 शमूएल 4-1 में देखा गया था, जो इज़राइल की दुखद हार और सन्दूक पर कब्ज़ा करने से ठीक पहले था।

और याद करो उस दिन क्या हुआ था। एली के पुत्र मर गए क्योंकि वे सन्दूक को उनके साथ युद्ध में ले गए थे, और अस्वीकार किए गए पुजारी एली, जब उसने खबर सुनी, तो वह गिर गया, और मर गया। आगामी युद्ध में, जिसका वर्णन अध्याय 31 में किया जाएगा, अस्वीकृत राजा शाऊल और उसके पुत्र मर जाएंगे।

और इसलिए, कुछ समानताएं हैं, और इन्हें इस खंड में विकसित किया गया है, विशेष रूप से अध्याय 31 में। मुझे लगता है कि लेखक चाहता है कि आप युद्ध के मैदान में शाऊल की मृत्यु के बारे में सोचें, अस्वीकृत राजा, जिसका एक राजवंश हो सकता था, लेकिन इसे ज़ब्त कर लिया, उस पहले की घटना के समानांतर जब एली, जिसका एक पुरोहित राजवंश हो सकता था, लेकिन उसने इसे ज़ब्त कर लिया, की भी मृत्यु हो गई। और इसलिए, कुछ कथात्मक टाइपोलॉजी है, हम इसे यहाँ कहते हैं, जहाँ एक घटना दूसरे का पूर्वाभास देती है, और वे लेखक के दिमाग में विषयगत रूप से जुड़े हुए हैं।

लेकिन चलिए डेविड पर वापस आते हैं। डेविड एक कठिन परिस्थिति में है। उसे बताया गया है कि वह बाहर जाकर इस्राएलियों के विरुद्ध पलिशतियों से लड़ने जा रहा है।

और पलिशती अपनी सेना अपेक में इकट्ठी कर रहे हैं, और पलिशती हाकिम अपनी सारी सेना समेत वहाँ से आगे बढ़ रहे हैं, और दाऊद और उसके जनों ने गत के आकीश के साथ पीछे से चढ़ाई की है। अतः सभी पलिशती एक साथ आ रहे हैं, जिसमें गत का आकीश और उसकी सेना भी शामिल है। और पलिशतियों के सरदारोंने यह देखा, और उन्होंने कहा, इन इब्रियों के विषय में क्या हुआ? याद रखें, विदेशी लोग अक्सर इस्राएलियों को हिब्रू कहेंगे।

और आकीश, जो सचमुच दाऊद पर विश्वास करता है, अध्याय 29 के पद 3 में कहता है, क्या यह दाऊद नहीं, जो इस्राएल के राजा शाऊल का हाकिम था? वह पहले से ही एक साल से अधिक समय से मेरे साथ है। और जिस दिन से वह शाऊल को छोड़ गया, उस दिन से अब तक मैं ने उस में कोई दोष नहीं पाया। खैर, डेविड का धोखा अच्छा काम कर गया।

हम जानते हैं कि दाऊद ने अपने लोगों को अस्वीकार नहीं किया है। वह अमालेकियों को मारकर प्रभु का कार्य कर रहा है। परन्तु आकीश को धोखा दिया गया है।

पलिशती सरदारों का दाऊद के प्रति यह दृष्टिकोण नहीं है। और वे आकीश पर क्रोधित हुए, और उन्होंने कहा, उस पुरूष को लौटा दे, कि वह जिस स्थान पर तू ने उसे ठहराया है वहां लौट आए। उसे हमारे साथ युद्ध में नहीं जाना चाहिए, अन्यथा वह लड़ाई के दौरान हमारे विरुद्ध हो जाएगा।

हम जानते हैं कि क्या होगा. वह हमारे साथ बाहर जाएगा, और फिर वह हम पर हमला करेगा, बस घबराहट और भ्रम पैदा करेगा। हमारे अपने आदमियों के सिर लेने से बेहतर वह अपने स्वामी का अनुग्रह कैसे प्राप्त कर सकता था? वह संभवतः वहां के राजा शाऊल के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहता है।

ऐसा करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है कि हमारी सेना में घुसपैठ करें और फिर युद्ध में हम पर हमला करें? हम जानते हैं कि यह लड़का कैसा है। क्या यह वही डेविड नहीं है जिसके बारे में उन्होंने अपने नृत्यों में गाया था? पद 5, शाऊल ने हजारों को, और दाऊद ने लाखों को घात किया है। इसका उल्लेख पलिशतियों द्वारा पहले भी किया जा चुका है।

वे उस इज़राइली गीत को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं, और उन्हें यह पसंद नहीं है, और वे वास्तव में डेविड पर भरोसा नहीं करते हैं। तो, मुझे आशा है कि आप देखेंगे कि यहाँ क्या हो रहा है। डेविड को, अपने सभी धोखे और चालबाजी के बावजूद, उसे इससे बाहर निकालने के लिए प्रभु की कृपा की आवश्यकता है, और एक बार फिर, यह पलिशती ही हैं जो अकीश के अलावा अन्य पलिशती कमांडरों के लिए उपयोग किए जाने वाले हैं जिनका उपयोग प्रभु डेविड को पाने के लिए करने जा रहे हैं। एक कठिन परिस्थिति से बाहर.

याद रखें जब शाऊल अपनी गर्दन नीचे कर रहा था, पलिशतियों ने देश पर आक्रमण किया, और शाऊल को जाकर देश की रक्षा करनी पड़ी और दाऊद का पीछा करना छोड़ देना पड़ा? अतः अकीश ने दाऊद को फोन किया, और उसने कहा, प्रभु के जीवन की शपथ, तुम विश्वसनीय हो, और मुझे खुशी होगी कि तुम मेरे साथ सेना में सेवा करो। जिस दिन से तुम मेरे पास आए, उस दिन से आज तक मैं ने तुम में कोई दोष न पाया, परन्तु हाकिम तुम से प्रसन्न नहीं होते।

इसलिए, वापस लौटें और शांति से जाएं। फ़िलिस्ती शासकों को अप्रसन्न करने के लिए कुछ मत करो। और इस बिंदु पर, आप सोच सकते हैं, ठीक है, डेविड राहत की सांस लेगा और कहेगा, जैसी आप चाहें।

नहीं, वह वास्तव में विरोध करने जा रहा है, और हम वास्तव में नहीं जानते कि उसके इरादे क्या हैं। बाइबिल की कथा में अक्सर ऐसा ही होता है, अंतराल होते हैं। डेविड यहाँ क्या सोच रहा है? इन शब्दों के पीछे क्या है? शायद, जैसा कि आम लोग ऐसा करने के आदी हैं, और डेविड वास्तव में इस कहानी में उसी तरह से काम कर रहा है, वह इसे अच्छा दिखाना चाहता है।

वह जाने के लिए बहुत उत्सुक नहीं होना चाहता, क्योंकि इससे पलिशती शासकों के संदेह की पुष्टि हो सकती है। तो, उसे इसे अच्छा दिखाना होगा। वह जानता है कि वे उसे जाने नहीं देंगे, इसलिए वह इसे अच्छा दिखाने के लिए थोड़ा विरोध करना चाहता है।

शायद उसने वही करने का निश्चय कर लिया है जो पलिशती शासकों को संदेह था कि वह ऐसा करेगा। शायद वह वहाँ जाकर पलिशतियों पर हमला करना चाहेगा और इसराइल के लिए लड़ने में सक्षम होना चाहेगा। लेकिन किसी भी कीमत पर, हम नहीं जानते।

और श्लोक 8 कहता है, परन्तु मैं ने क्या किया है? डेविड से पूछा. जिस दिन से मैं आया हूँ उस दिन से लेकर अब तक तू ने अपने दास में क्या पाया है? मैं जाकर अपने प्रभु राजा के शत्रुओं से क्यों नहीं लड़ सकता? और निःसंदेह, अकीश उन शब्दों को सुनेगा और सोचेगा कि वह दाऊद का स्वामी, राजा है, लेकिन दाऊद यहाँ धोखा दे रहा है। और यह संभव है कि वह पलिशतियों की बात कर रहा हो।

मैं जाकर अपने स्वामी और राजा अर्थात् शाऊल के शत्रुओं अर्थात् पलिशतियों से क्यों नहीं लड़ सकता? डेविड के शब्द अस्पष्ट हैं. और वह यहाँ धोखे की मुद्रा में है। इसलिए, तीन अन्य बार उसने शाऊल को मेरा स्वामी कहा है, 1 शमूएल 24 और 26।

और शाऊल उसका राजा भी है। और दाऊद ने उन अध्यायों में तीन बार उसे हे मेरे प्रभु राजा कहकर पुकारा। तो, हो सकता है कि डेविड यहाँ थोड़ा शब्दों का खेल खेल रहे हों।

हो सकता है कि वह अकीश को अपना मन बदलने की कोशिश कर रहा हो ताकि वह बाहर जा सके और वही काम कर सके जिससे पलिशती शासक डरते हैं कि वह ऐसा करेगा। लेकिन ऐसा होने वाला नहीं है. किसी भी कीमत पर, यह एक अच्छे तरीके के रूप में कार्य करता है।

डेविड विरोध कर रहे हैं. वह ऐसा दिखा रहा है जैसे वह अपनी चाल को अंत तक पूरा कर रहा है। आकीश ने उत्तर दिया, मैं जानता हूँ कि तू परमेश्वर के दूत के समान मेरी दृष्टि में प्रसन्न है।

फिर भी, पलिशती सरदारों ने कहा है कि उसे हमारे साथ युद्ध में नहीं जाना चाहिए। अतः तुम अपने सेवकों सहित जल्दी उठो, तुम्हारे साथ आओ और प्रातःकाल उजाला होते ही चले जाना। और इसलिए दाऊद और उसके आदमी यही करते हैं।

और इसलिए, हम देखते हैं कि ईश्वर अपने विधान में, पलिशती शासकों के संदेह का उपयोग करते हुए, जिसमें वे डेविड के इरादों के बारे में बहुत अच्छी तरह से सही हो सकते हैं, डेविड को एक बहुत ही कठिन स्थिति से बाहर निकालने के लिए इसका उपयोग करता है। और इसलिए, डेविड की माफ़ी, डेविड के बचाव के संदर्भ में, लेखक यहाँ क्या कर रहा है, मुझे लगता है, कह

रहा है, आप जानते हैं, वहाँ कुछ फर्जी खबरें हैं। झूठी खबर यह है कि डेविड वास्तव में पलिशती पक्ष में चला गया।

वह उनके साथ रहता था, उनकी सेवा करता था, और जिस दिन शाऊल और उसके पुत्र मारे गये, उस दिन वह पलिशतियों के साथ था। वह एक गद्दार है, और उसे इसराइल का राजा नहीं होना चाहिए। बेंजामिनाइट फर्जी खबर.

लेकिन लेखक यहां जो कह रहा है वह यह है, नहीं, नहीं, नहीं, यह उस तरह से नहीं हुआ। दाऊद पलिशती क्षेत्र में गया। उसने आकीश को धोखा दिया।

यहाँ तक कि जब वह ए चिश के अधीन सेवा कर रहा था, तब भी वह हमारे कट्टर शत्रुओं, अमालेकियों को मार रहा था। उसने यहूदा पर कभी आक्रमण नहीं किया। यहोशू के समय से ही, वह अमालेकियों और हमारे अन्य शत्रुओं को मार रहा था।

उसने यही किया. और उस लड़ाई से पहले, इससे पहले कि वह शूनेम तक पहुँचे, इससे पहले कि पलिशती सेनाएँ वहाँ आगे बढ़ें जहाँ वे युद्ध लड़ने जा रहे थे, अपेक में, वह चला गया। उसे छोड़ने के लिए मजबूर किया गया क्योंकि पलिशतियों को पता था कि वह कौन था और उन्होंने उस पर भरोसा नहीं किया, और वह चला गया, और उसने युद्ध में इस्राएल के खिलाफ कभी हाथ नहीं उठाया।

वह उस समय तक जा चुका था। और यह हमें अध्याय 30 पर लाता है। दाऊद और उसके लोग सिकलग पहुँचे, और जब वे वहाँ पहुँचे, तो उन्हें एहसास हुआ कि अमालेकियों ने नेगेव और सिकलग पर हमला कर दिया है, और उन्होंने सिकलग पर हमला किया, उसे जला दिया, और उन्होंने अपनी पत्नियों और उनके साथियों को बंदी बना लिया है बच्चे।

और इसलिए, यह डेविड और उसके लोगों के लिए एक झटका रहा होगा। अध्याय 30, श्लोक 3 के अनुसार, उन्होंने इसे आग से नष्ट हो गया, अपनी पत्नियों और बेटे-बेटियों को बंदी बना लिया। और दाऊद और उसके लोग जोर-जोर से रोने लगे। उनमें कोई ताकत नहीं बची है.

आप समझ सकते हैं। आप एक स्थान पर आते हैं, और आपके परिवार चले जाते हैं। दाऊद की दो पत्नियों को पकड़ लिया गया था।

दाऊद बहुत दुःखी हुआ क्योंकि वे लोग उस पर पथराव करने की बात कर रहे थे। तो, यहां डेविड के लोगों ने उस पर एक तरह से हमला कर दिया है। वैसे भी उसके चारों ओर कुछ प्रकार के डाकू एकत्र थे, और उनमें से प्रत्येक बहुत कड़वा था, और वे डेविड को दोषी ठहरा रहे थे।

लोग अक्सर ऐसा करेंगे. जब परिस्थितियाँ खराब हो जाती हैं, तो आपको दोष देने के लिए किसी को ढूँढना होगा। खैर, चलो शासक को दोष दें।

यह डेविड ही था जिसने हमें इसमें शामिल किया, लेकिन इस तनाव के बीच में जो डेविड अनुभव कर रहा था, उसे प्रभु अपने परमेश्वर में ताकत मिली। वह प्रभु की ओर मुड़ा, और प्रभु ने उसे वह

शक्ति दी जो उसे इससे उबरने के लिए आवश्यक थी। और तब दाऊद ने एब्यातार से कहा, दाऊद जो करता है, उस से वह बहुत दुःखी होता है, उसके पुरूष उसे धमकाते हैं, परन्तु वह यहोवा की ओर फिरता है, और उस ने निश्चय किया, मुझे यहोवा से एक वचन की आवश्यकता है।

और इसलिए, वह एब्यातार की ओर मुड़ता है, और मेरे लिए एपोद लाता है। और एब्यातार, वह अकेला जीवित बचा व्यक्ति, डेविड के लिए एक अच्छा सहारा रहा है। और दाऊद ने यहोवा से पूछा, और उस ने कहा, क्या मुझे इस छापा मारनेवाले दल का पीछा करना चाहिए? क्या मैं उनसे आगे निकल जाऊंगा? और यहोवा कहता है, हां, उनका पीछा करो।

आप निश्चित रूप से उनसे आगे निकल जाएंगे और बचाव में सफल होंगे, जो मुझे लगता है कि हर कोई अभी भी जीवित है। आप इन लोगों को बचा सकते हैं। और इसलिए, यहाँ क्या हो रहा है? याद रखें, शाऊल एंडोर में माध्यम के पास क्यों गया था? क्योंकि प्रभु उससे संवाद नहीं करेंगे।

सपनों के माध्यम से, उरीम और तुम्मीम के माध्यम से, एक भविष्यवक्ता के माध्यम से, प्रभु शाऊल से बात नहीं कर रहे थे। लेकिन वह इस कहानी के दौरान लगातार डेविड से संवाद करता है। तो, दाऊद के बचाव में, दाऊद ही वह है जिसे प्रभु अपनी इच्छा बताता है।

शाऊल वह है जिस से यहोवा बात भी न करेगा। तो, अपने आप से पूछें, वास्तव में इज़राइल का चुना हुआ राजा कौन है? फर्जी खबरों पर विश्वास न करें। दाऊद और उसके साथ के 600 आदमी बेसोर घाटी में आए, जहाँ कुछ लोग पीछे रह गए।

उनमें से 200 घाटी पार करने के लिए बहुत थक गए थे, लेकिन डेविड और अन्य 400 ने पीछा जारी रखा। तो, यहाँ एक तरह का कथानक मोड़ है। दाऊद और उसके लोग थक गए हैं, और इसलिए जब वह इन अमालेकियों का सामना करेगा तो उसके पास अपनी पूरी ताकत भी नहीं होगी।

यह उनके लिए एक लंबी यात्रा रही है, और वे थक गए हैं। लेकिन भगवान का विधान काम कर रहा है। उन्हें खेत में एक मिस्री मिला, और वे उसे दाऊद के पास ले आए।

और वे उसे पीने के लिए कुछ पानी और खाने के लिए कुछ भोजन देते हैं। वे उसे कुछ अंजीर और किशमिश देते हैं। वह एक तरह से पुनर्जीवित हो गया है।

उसने तीन दिन और तीन रातों से कुछ भी नहीं खाया या कुछ भी नहीं पिया। आदमी थक गया है। और दाऊद ने कहा, तू कौन है? आप कहां से आए हैं? और वह कहता है कि मैं मिस्रवासी हूँ।

मैं अमालेकियों का दास हूँ। और मैं तीन दिन पहले बीमार हो गया, और उन्होंने मुझे छोड़ दिया। उन्होंने मुझे छोड़ दिया।

मेरे गुरु ने किया। हमने केरेतियों के नेगेव, यहूदा के कुछ क्षेत्र, और कालेब के नेगेव पर छापा मारा, और हमने सिकलग को जला दिया। तो, वह वहाँ था।

उसने ये सब देखा. और इसलिए, डेविड ने कहा, क्या आप हमें उस छापेमारी दल तक ले जा सकते हैं? क्या आप जानते हैं कि वे कहाँ जा रहे हैं, और क्या आप हमें वहाँ ले जा सकते हैं? और उस ने कहा, हे चतुर पुरूष, मुझे से परमेश्वर की शपथ खा, कि तू मुझे मार न डालेगा, और न मुझे मेरे स्वामी के हाथ सौंप देगा, और मैं तुझे उनके पास ले जाऊंगा। और इसलिए, दाऊद, वह दाऊद को नीचे ले गया, और वे वहाँ ग्रामीण इलाकों में तितर-बितर हो गए, खा रहे थे, पी रहे थे और मौज-मस्ती कर रहे थे क्योंकि उन्होंने पलिशतियों और यहूदा से बड़ी मात्रा में लूट की थी।

और इसलिए वे लड़ने के लिए तैयार होने की स्थिति में नहीं हैं। और इस प्रकार, दाऊद और उसके लोग शाम से लेकर अगले दिन की शाम तक उनसे लड़ते रहे। उनमें से 400 युवकों को छोड़कर, जो ऊँटों पर सवार होकर भाग गए, कोई भी भाग नहीं पाया।

तो जाहिर है, यह अमालेकी सेना दाऊद की सेना से बड़ी थी। इस समय डेविड के पास केवल 400 आदमी हैं। वे 400 को छोड़कर बाकी सभी का सफाया कर देते हैं।

मेरा मतलब है, मुझे जो धारणा मिली वह यह है कि वे 400 अल्पसंख्यक थे। परन्तु दाऊद ने उन्हें चकित कर दिया, और उन्होंने वह सब कुछ जो अमालेकियों ने छीन लिया था, और उसकी दोनों पत्नियाँ भी पुनः प्राप्त कर लीं। कुछ भी गायब नहीं था।

जवान हो या बूढ़ा, लड़का हो या लड़की, लूट या कुछ और जो उन्होंने लिया था, डेविड सब कुछ वापस ले आया। और उस ने सब भेड़-बकरियों और गाय-बैलोंको ले लिया, और उसके जनोंने सब पशुओंके आगे यह कहकर हांक दिया, कि यह दाऊद की लूट है। वे उन 200 लोगों के पास आते हैं जो पहले जाने के लिए बहुत थके हुए थे।

और जो लोग लड़ाई में लड़े, और आप समझ सकते हैं कि वे इस तरह क्यों सोच रहे हैं, लेकिन उन्हें बुरे आदमी और उपद्रवी कहा जाता है। और वे कहते हैं, कि वे हमारे संग न निकले, इस कारण जो लूट हम ने लूटी है उसे हम उन में बाँट न सकेंगे। वे अपनी पत्नियाँ और बच्चे तो वापस पा सकते हैं, लेकिन और कुछ नहीं।

और दाऊद कहता है, नहीं, हे मेरे भाइयो, जो कुछ यहोवा ने हम को दिया है उस में तुम ऐसा न करना। इसलिए, डेविड इसे धार्मिक दृष्टि से देखना चाहता है। प्रभु ने हमें यह विजय दिलाई है।

यह तुम लोग नहीं थे. वास्तव में, यह प्रभु ही थे जिन्होंने हमें जीत दिलाई। और इसलिए, हमें यहां उदार होने की जरूरत है।

और वैसे, मेरा मतलब है, इन लोगों के थकने का कारण यह था कि उन्होंने अपेक से ज़िकलाग तक लगभग 70 मील, 55 मील और फिर वाडी बेसोर तक 15 मील की यात्रा की थी। वह एक लंबी, लंबी पैदल यात्रा थी। और इसलिए स्वाभाविक रूप से, कुछ लोग थक जाएंगे।

लेकिन डेविड यहां हस्तक्षेप करता है, और वह यह सुनिश्चित करता है कि उसके लोगों के बीच हिंसा न फैले और हर किसी को अपना हिस्सा मिले। वास्तव में, श्लोक 25 हमें बताता है कि

दाऊद ने उस दिन से लेकर आज तक इस्राएल के लिए यह एक क़ानून और अध्यादेश बनाया, कि हर कोई जीत की लूट में हिस्सा लेता है, यहां तक कि वे भी जो सामान की रखवाली करते हैं या पीछे रहने के लिए मजबूर होते हैं। हम पक्षपात नहीं दिखाएंगे।

और इसलिये जब दाऊद सिकलग पहुंचा, तब उस ने लूट में से कुछ यहूदा के पुरनियोंके पास जो उसके मित्र थे भेज दिया, और कहा, यहोवा के शत्रुओंकी लूट में से यह तुम्हारे लिये एक भेंट है। इसलिये, डेविड यहूदा के लोगों के पास पहुँचता है और शायद अनुमान लगाता है कि उसे इस समय घर वापस आना होगा। तो इससे हमें, वास्तव में, हम इस खाते से कुछ सबक संक्षेप में प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसे मैंने फिर से शीर्षक दिया है, 1 सैमुअल 29 30, एक पेचीदा वेब से बचना।

जब उसके चुने हुए सेवक खुद को एक अनिश्चित स्थिति में पाते हैं, और डेविड उस स्थिति में है, तो प्रभु अपने विधान से उन्हें बचाने और अपने मार्गदर्शन और सुरक्षा के माध्यम से उनके विश्वास को नवीनीकृत करने में सक्षम हैं। तुम्हें पता है, दाऊद चला गया था क्योंकि वह दृष्टि से चल रहा था, विश्वास से नहीं। मुझे लगता है कि अध्याय 30 के अंत तक, वह वापस पटरी पर आ जाएगा।

वह दृष्टि से नहीं, विश्वास से चल रहा है। और आप इसे उनके रवैये और उनके लोगों के बीच विरोधाभास में देखते हैं। और इसलिए, यदि हम इसे थोड़ा स्पष्ट करना चाहते हैं, तो हम कह सकते हैं कि जब उनके चुने हुए सेवकों का विश्वास डगमगा जाता है, और वे खुद को अपनी ही बनाई गई अनिश्चित स्थिति में पाते हैं, तो प्रभु अंदर आकर उद्धार करने में सक्षम होते हैं खतरा।

और इसलिए, परमेश्वर के सेवकों को हर समय सुरक्षा के लिए उसकी ओर देखना चाहिए। डेविड इस सब से बच सकता था अगर वह घर पर ही रहता, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। लेकिन प्रभु उसे इस कठिन समय से बाहर निकालते हैं।

यह हमें 1 शमूएल अध्याय 31 पर लाता है, जहाँ हम शाऊल की मृत्यु के बारे में पढ़ने जा रहे हैं। तो, कैमरा अब शाऊल की ओर वापस चला जाता है। याद रखें कि एक रात पहले, कब्र से लौटकर शमूएल की आत्मा के साथ उसका टकराव हुआ था, और शमूएल ने बस वही दोहराया था जो उसने शाऊल से पहले कहा था।

यहोवा ने तुम्हें राजा के रूप में अस्वीकार कर दिया है। तथ्य यह है कि वह आपसे संवाद नहीं कर रहा है, आपको इस बात का यकीन दिलाना चाहिए। और अब आपका समय खत्म हो गया है।

तुम तो युद्ध में मरोगे ही, तुम्हारे पुत्र भी मारे जायेंगे। और इस प्रकार हम अध्याय 31, श्लोक 1 में पढ़ते हैं, कि पलिशतियों ने इस्राएल से युद्ध किया, और इस्राएली उनके साम्हने से भाग गए, और बहुत से लोग गिलबो पर्वत पर मर गए। और पलिशती शाऊल और उसके पुत्रों का पीछा कर रहे हैं, और वे उसके पुत्रों को मार डालते हैं।

और एक नाम है जिसे आप देखना नहीं चाहेंगे, जोनाथन, साथ ही अबिनादाब और माल्वी-शुआ। शाऊल के चारों ओर लड़ाई भयंकर हो गई, और धनुर्धारियों ने उसे पकड़ लिया, और उन्होंने

उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। और इसलिए, शाऊल को एक या दो तीर लगते हैं, और वह गंभीर रूप से घायल हो जाता है।

और इसलिये शाऊल ने अपने हथियार ढोनेवाले से, जो उसके संग रहता है, अर्थात् अपने विश्वासयोग्य हथियार ढोनेवाले से कहा, अपनी तलवार खींचकर मुझे पर धावा बोल दे, नहीं तो ये खतनारहित लोग आकर मुझे दौड़ा डालेंगे, और मेरे साथ दुर्व्यवहार करेंगे। शाऊल प्रताड़ित नहीं होना चाहता। वह अपनी मृत्यु में अपमानित नहीं होना चाहता।

और इसलिए, वह अपने कवच वाहक से कहता है, बस मुझे भगाओ। परन्तु उसका हथियार ढोनेवाला भयभीत था और उसने ऐसा नहीं किया। अतः शाऊल ने अपनी तलवार ली और उस पर टूट पड़ा।

और जब हथियार ढोनेवाले ने देखा, कि शाऊल मर गया, तब वह भी उसकी तलवार से मारा गया, और उसके साथ मर गया। और इसलिए, शाऊल अब मर चुका है। वैसा ही उसका कवच-वाहक भी है।

और शाऊल और उसके तीनों पुत्र, और उसका हथियार ढोनेवाला, और उसके सब जन उसी दिन एक साथ मर गए। यह कहानी आपको न्यायाधीश अध्याय 9 में अबीमेलक की याद दिलाती है। याद रखें, अबीमेलक एक सामूहिक हत्यारा था। उसने राजा बनने के लिए अपने भाइयों की हत्या कर दी थी।

और जब वह न्यायाधीश 9 में आक्रामक रूप से एक अभियान चला रहा था, तब वह शहर की दीवार के बहुत करीब पहुंच गया था। और एक महिला ने एक चक्की का पाट उठाया और उसे उसके सिर पर फेंक दिया और उसे घातक रूप से घायल कर दिया। और उस ने अपने हथियार ढोनेवाले से कहा, मुझे मार डाल, मुझे मेरे दुख से छुड़ा ले। मैं नहीं चाहता कि कोई कहे कि एक महिला ने उसे मार डाला।

इसलिए तकनीकी रूप से वह चाहता है कि कवच वाहक यह काम करे। और कवच वाहक ने किया। इस विशेष मामले में, कवच वाहक ऐसा करने को तैयार नहीं था।

शाऊल के प्रति सम्मान दिखाते हुए, शायद डेविड की तरह, मैं नहीं चाहता, मैं तुम्हारे खिलाफ हाथ नहीं उठाऊंगा। इसलिए, शाऊल को खुद को मारना होगा। लेकिन घटना कुछ ऐसी ही है।

और आपको वो पिछली घटना याद आ सकती है। और मुझे लगता है कि इसका एक कारण है क्योंकि शाऊल और अबीमेलक के बीच एक संबंध है। शाऊल भी एक सामूहिक हत्यारा था।

उसने नोब के याजकों को मार डाला, और उनका सफाया कर दिया। और इसलिए, यह तथ्य कि शाऊल अबीमेलक जैसा है, यह शाऊल और उसकी स्मृति और उसकी प्रतिष्ठा के लिए अच्छा संकेत नहीं है। वह कहानी में एक बुरा आदमी है, जैसा कि वह था, और वह उसी तरह मर जाता है जैसे एक और बुरा आदमी कहानी में पहले मर गया था।

इस्राएली हार गए। पलिशतियों ने नगरों को ले लिया और उन पर कब्ज़ा कर लिया। अगले दिन, 318, पलिशती आये।

वे मुर्दों को नंगा कर देते हैं। वे शाऊल और उसके तीन बेटों को गिलबोआ पर्वत पर गिरे हुए पाते हैं। उन्होंने उसका सिर काट दिया।

उन्होंने उसका कवच उतार दिया। और उन्होंने पलिशतियों के देश भर में दूत भेजे, कि उनके मूरतोंके मन्दिर में और उनकी प्रजा में समाचार सुनाएं। और तब उन्होंने उसके कवच को अशतोरेत के मन्दिर में रख दिया, और उसके शरीर को बेत शान की दीवार से चिपका दिया।

इसलिए, शाऊल अपमानित हुआ। इजराइल अपमानित हुआ है। यह इस्राएल की सेनाओं के लिए एक भयानक दिन है।

और जब याबेश-गिलाद के लोगों ने सुना कि पलिशतियों ने शाऊल के साथ क्या किया है, तो उनके सभी शूरवीर रातों-रात बेतशान की ओर चले, और उन्होंने शाऊल और उसके पुत्रों की लोथें शहरपनाह पर से उतार लीं, और याबेश को गए, और वहीं जला दिया। उन्हें। और तब उन्होंने उनकी हड्डियां ले जाकर याबेश में झाऊ के पेड़ के नीचे गाड़ दीं, और सात दिन तक उपवास किया। उपवास शोक के साथ होगा।

के लोग इस तरह अपनी जान जोखिम में क्यों डालेंगे? ठीक है, आपको शाऊल का सबसे अच्छा दिन याद होगा, 1 शमूएल 11, याद रखें कि याबेश-गिलाद के लोगों को अम्मोनी नाहाश ने धमकी दी थी। वह उनके साथ एक अनुबंध, एक संधि करने जा रहा था, यदि वे इस बात पर सहमत होते कि उनकी दाहिनी आंख निकल जाएगी। नाहाश ने यह नहीं सोचा था कि कोई बचाव के लिए आने की कोशिश करेगा, और यदि वे ऐसा करते हैं तो उसकी सेना उन्हें हराने में सक्षम होगी, उसने याबेश-गिलाद के लोगों को मदद के लिए भेजने की अनुमति दी।

स्वाभाविक रूप से, उन्होंने बिन्यामीन को भेजा, क्योंकि न्यायाधीशों में हमें पता चलता है कि बहुत समय पहले, बिन्यामीन के पुरुषों की शादी याबेश-गिलियड की महिलाओं से हुई थी, और इसलिए इन स्थानों के बीच एक संबंध है। और शाऊल, यदि तुम स्मरण करो, यह सुनकर क्रोधित हुआ, और परमेश्वर का आत्मा उस पर उतरा, और वह आगे बढ़ा, और उसने बड़ी विजय प्राप्त की। उसने नाहाश और उसकी सेना पर घात लगाकर हमला किया, और उसने याबेश-गिलाद को बचाया, इसलिए यह स्वाभाविक है कि याबेश-गिलाद के लोगों का शाऊल के प्रति बहुत सकारात्मक दृष्टिकोण है।

उसने हमें बचाया। हमारी दोनों आंखें इस आदमी की वजह से मिली हैं, और उसने हमें इस अम्मोनी उत्पीड़क, इस नाहाश से बचाया है, और इसलिए वे शाऊल का सम्मान करना चाहते हैं, और वे ऐसा करने के लिए और अपने श्रेय के लिए अपनी जान जोखिम में डालने को तैयार हैं, वे जाते हैं और शाऊल और शाऊल और उसके पुत्रों के शवों को बचाते हैं और उचित तरीके से उनका निपटान करते हैं। और इसलिए मुझे लगता है कि हम वहीं रुकेंगे।

अपने अगले पाठ में, हम शाऊल की मृत्यु के बाद के परिणामों को जारी रखेंगे। हम यह देखने जा रहे हैं कि जब डेविड इस बारे में सुनता है तो वह क्या प्रतिक्रिया देता है, और जैसा कि हम उम्मीद कर सकते हैं, डेविड इससे खुश नहीं होगा। वह शाऊल और उसके पुत्रों और विशेष रूप से जोनाथन की मृत्यु पर शोक मनाने जा रहा है।

और इसलिए, हम अपने अगले पाठ में 2 शमूएल का अध्ययन शुरू करेंगे।

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 16, 1 सैमुअल 29-31 है। अध्याय 29 और 30 हैं उलझे हुए जाल से बचना, और अध्याय 31, शाऊल और उसके पुत्रों की मृत्यु।